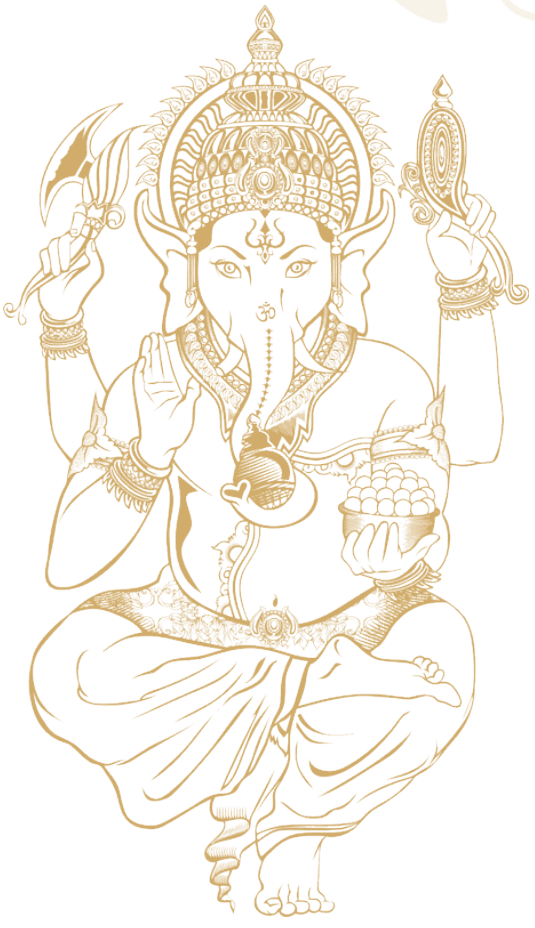

Jatin

Shakshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120956302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/09/1997	जन्म तिथि	29/08/2002
रविवार	दिन	गुरुवार
घंटे 06:40:00	जन्म समय	10:00:00 घंटे
घटी 01:26:09	जन्म समय(घटी)	10:06:17 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Pauri Garhwal
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	30:08:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	78:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:14:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:05:32	सूर्योदय	05:49:46
18:27:25	सूर्यास्त	18:41:17
23:49:27	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:23

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 3वर्ष 3मा 25दि	04:12:50	कन्या	लग्न	तुला	05:06:52	शुक्र 9वर्ष 4मा 1दि
गुरु	27:26:32	सिंह	सूर्य	सिंह	11:47:11	चन्द्र
09/01/2026	18:54:21	मक	चंद्र	मेष	20:26:32	30/12/2017
09/01/2042	25:58:06	तुला	मंगल	सिंह	05:50:30	30/12/2027
गुरु 27/02/2028	10:04:29	सिंह	बुध	कन्या	08:43:04	चन्द्र 30/10/2018
शनि 09/09/2030	19:12:50	मक व	गुरु	कर्क	12:01:47	मंगल 31/05/2019
बुध 15/12/2032	08:26:45	तुला	शुक्र	कन्या	27:33:57	राहु 29/11/2020
केतु 21/11/2033	25:01:22	मीन व	शनि	मिथु	03:32:04	गुरु 31/03/2022
शुक्र 22/07/2036	25:55:13	सिंह	राहु व	वृष	19:58:27	शनि 30/10/2023
सूर्य 10/05/2037	25:55:13	कुंभ	केतु व	वृश्चि	19:58:27	बुध 31/03/2025
चन्द्र 09/09/2038	11:17:04	मक व	हर्ष व	कुंभ	02:36:09	केतु 30/10/2025
मंगल 16/08/2039	03:31:29	मक व	नेप व	मक	14:59:19	शुक्र 01/07/2027
राहु 09/01/2042	09:16:54	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:00:46	सूर्य 30/12/2027

लग्न-चलित

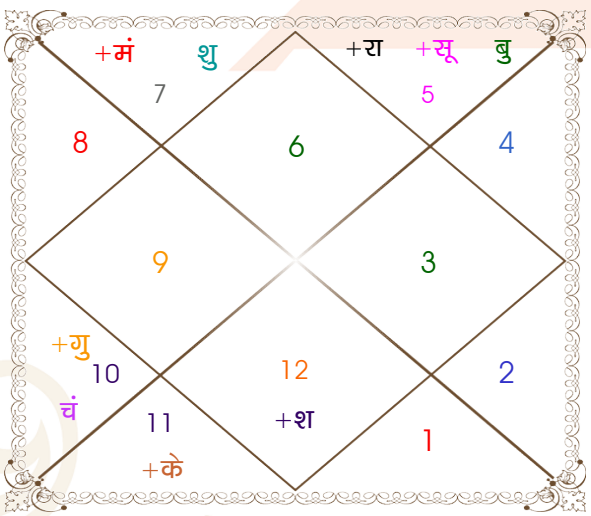

लग्न-चलित

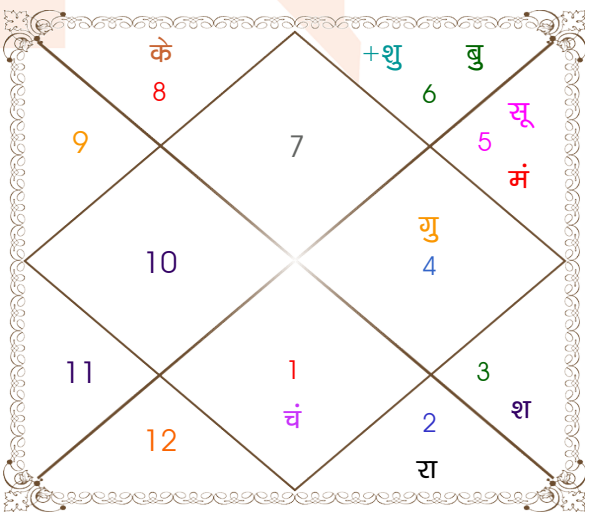

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Jatin का वर्ग मार्जार है तथा Shakshi का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Jatin और Shakshi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Jatin मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Shakshi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Jatin तथा Shakshi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।